



Gurpreet Singh Issar



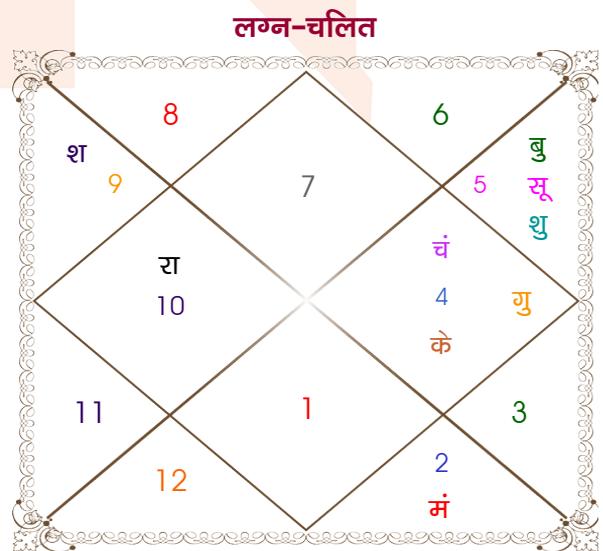
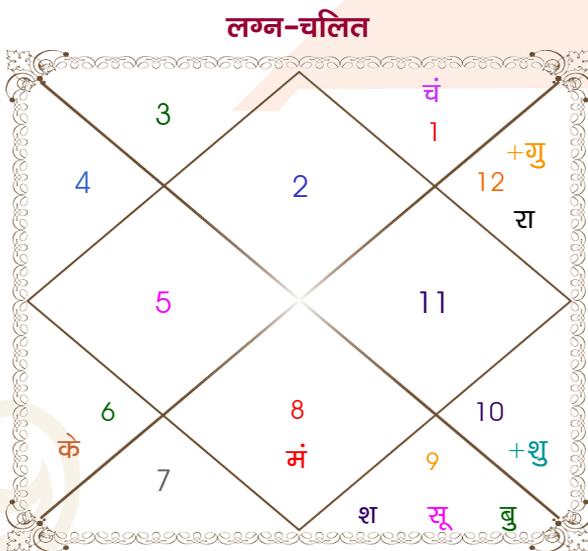
Arshdeep kaur

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121170604

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 30/12/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : 16/09/1990
 बुधवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 15:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:45:00 घंटे
 घंटे 19:56:26 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 09:08:30 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Yamunanagar : _____ स्थान _____ : Amritsar
 30:07:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 31:35:00 उत्तर
 77:18:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 74:56:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:20:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:30:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:16:25 : _____ सूर्योदय _____ : 06:14:36
 17:29:49 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:35:22
 23:41:23 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:43:52

विंशोत्तरी शुक्र 8वर्ष 5मा 16दि राहु 16/06/2019 16/06/2037	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 6वर्ष 11मा 9दि सूर्य 25/08/2024 26/08/2030	
राहु	26/02/2022	13:10:58	वृष	लग्न	तुला	13:24:24	
गुरु	22/07/2024	14:27:42	धनु	सूर्य	सिंह	29:19:12	
शनि	29/05/2027	21:01:34	मेष	चंद्र	कर्क	24:33:19	
बुध	15/12/2029	00:10:45	वृश्चि	मंगल	वृष	13:18:51	
केतु	03/01/2031	18:34:42	धनु	बुध व	सिंह	15:59:53	
शुक्र	03/01/2034	26:27:33	मीन	गुरु	कर्क	12:01:30	
सूर्य	27/11/2034	16:21:24	मक	शुक्र	सिंह	17:11:59	
चन्द्र	28/05/2036	01:35:24	धनु	शनि व	धनु	25:00:51	
मंगल	16/06/2037	03:14:56	मीन व	राहु व	मक	12:47:45	
		03:14:56	कन्या व	केतु व	कर्क	12:47:45	
		03:52:41	धनु	हर्ष	धनु	11:52:13	
		14:02:09	धनु	नेप व	धनु	18:04:57	
		18:16:03	तुला	प्लूटो	तुला	21:59:17	
						शुक्र	13/12/2024
							13/06/2025
							19/10/2025
							13/09/2026
							02/07/2027
							13/06/2028
							20/04/2029
							26/08/2029
							26/08/2030



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Gurpreet Singh Issar का वर्ग मृग है तथा Arshdeep kaur का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gurpreet Singh Issar और Arshdeep kaur का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Gurpreet Singh Issar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Gurpreet Singh Issar कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Gurpreet Singh Issar कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Arshdeep kaur मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Arshdeep kaur कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Gurpreet Singh Issar कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Gurpreet Singh Issar कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gurpreet Singh Issar तथा Arshdeep kaur में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।